# श्री सुभाष लखोटिया

| | | |
|---|---|---|
| नाम | : | श्री सुभाष लखोटिया |
| जन्म तिथि एवं स्थान | : | २३ नवम्बर, १९४९/ गांव श्रीनगर, जिला - अजमेर (राजस्थान) |
| शिक्षा | : | बी. कॉम आनर्स |
| पद एवं पता | : | आयकर व निवेश विशेषज्ञ<br>एस-२२८, ग्रेटर कैलाश-२, रोड न० ५, नई दिल्ली-११००४८ |
| दूरभाष | : | कार्यालय ६४४५४२०<br>निवास ६४१५४३४ |
| फैक्स | : | ६४४-७७६८ |
| <u>पारिवारिक पृष्ठभूमि</u> | : | |
| पिताजी | : | श्री रामनिवासजी लाखोटिया,<br>कर सलाहकार, दिल्ली |
| <u>ससुराल पक्ष</u> | : | |
| श्वसुरजी | : | स्व० भैरूदानजी मूँधड़ा, कलकता |
| पत्नी | : | श्रीमती सुशीला लाखोटिया |
| संतान | : | पुत्र-श्री सत्यप्रिय लाखोटिय, २२ वर्ष, अध्ययनरत |
| | : | पुत्री-सुश्री शशि लखोटिया, २४ वर्ष, स्नातक |

अंग्रेजी में कहावत है, 'As the father so the son' श्री सुभाष जी ने इस कहावत को पूर्णतया चरितार्थ किया है। 'Child is father of the Man', कवि की उपरोक्त पंक्ति के अनुरूप यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि आपने अपने कार्य कलापों द्वारा परिवार के सामाजिक एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में किये योगदान की श्रृखंला में क्रमबद्ध विकास किया है।

देश के सुप्रसिद्ध कर सलाहकार श्री राम निवास जी लाखोटिया की प्रथम संतान के रूप में जन्मे आपने कलकता के विख्यात सेंट जेवियर्स कालेज से बी. कॉम. (आनर्स) की परीक्षा सन् १९६८ में उत्तीर्ण की। 'पूत के पग पालने में ही दिखाई देने लगते हैं' के कथनानुसार जब सन् १९७० में लायन्स इन्टरनेशनल द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ युवा' के लिए आपका चयन किया गया, यह इस तथ्य का पूर्वानुमान था कि भविष्य के गर्भ में आपके द्वार अनेंकों उपलब्धियाँ अर्जित करना सुनियोजित है।

व्यवसायिक स्तर पर आय कर, निवेश विशेषज्ञों के बीच में आपका एक विशिष्ट स्थान है। सन् १९९२-९३ में आपकी प्रेरणा से 'इन्वेस्टर्स क्लब' का जन्म हुआ तथा इसके संस्थापक काल से महामंत्री हैं। 'टैक्स सेवर' पत्रिका जिसके आप संपादक व लेखक हैं, के अतिरिक्त देश के अन्य प्रतिष्ठित अखबारों में लेखन व पुस्तकों के लेखन के द्वारा आप सदस्यों एवं अन्यों को संपत्ति निवेश, कंपनी कर नियोजन एवं अन्य विभिन्न प्रकार के निवेशों से लेकर नियोजन तक के विभिन्न विषयों पर निरंतर मार्गदर्शन करते आ रहे हैं। आपके लेख एवं पुस्तक पाठकों में बहुत लोकप्रिय है। वर्तमान में आप राष्ट्रीय स्तर पर 'आयकर दाता संघ' के कोषाध्यक्ष के पद पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहें हैं।

सांस्कृतिक क्षेत्र में, राजस्थानी साहित्य, कला एवं भाषा के उत्थान के लिए निरन्तर प्रयत्नशील दिल्ली की प्रसिद्ध 'राजस्थानी अकादमी' के आप ट्रस्टी हैं तथा निःशुल्क सेवा के रूप में प्रकाशित 'बेहतर जीवन' पत्रिका के प्रकाशक हैं। आप द्वारा वर्तमान में लखपति से करोड़पति कैसे बनें तथा करोड़पति से अरबपति कैसे बनें, ये दो पुस्तकें आपकी वर्तमान प्रकाशित पुस्तकें हैं।

परोपकार की वृत्ति से अजमेर में 'लखोटिया धर्मशाला' के आप ट्रस्टी हैं। धर्मशाला जिन उद्देश्यों के लिए स्थापित की गई है, उन उद्देश्यों के प्रति आप पूर्णतया समर्पित हैं।

एक ओर जहाँ आप व्यावसायिक स्तर पर 'लखोटिया कालेज के निदेशक हैं वहीं दूसरी ओर समाज सेवी संस्थाएँ जैसे लायन्स क्लब तथा वेजिटेरियन क्लब, जिसके द्वारा आप शाकाहार आंदोलन चलाया जा रहा है, के प्रति पूर्णतया समर्पित हैं। माहेश्वरी समाज के प्रति आपका विशेष रूझान है, समाज द्वारा कहीं भी आमंत्रित किये जाने पर आप समाज के लाभ हेतु समय निकालकर अवश्य उपस्थित होते हैं।

१९७० में लायन्स क्लब द्वारा आपको लायनवाद का अध्ययन करने के हेतु अमेरिका भेजा गया था।

आध्यात्मिक रूचि लेने वाले श्री सुभाषजी का ईश्वर में दृढ़ विश्वास है। माँ बाप की आज्ञा मानना आप जैसे पुत्र के धर्म में सर्वोपरि है। आप अन्यों के लिए नैतिक, व्यावसायिक व श्रवण कुमार की माता-पिता की अन्य भक्ति को शिरोधार किए हुए प्रेरणा सुमन हैं।